ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, बुधवार 11 मार्च 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 295

सुप्रीम कोर्ट ने दी पैसिव इच्छामृत्यु की अनुमतिः 13 साल से कोमा में युवक के लाइफ सपोर्ट हटाने का आदेश

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। देश में इच्छामृत्यु को लेकर एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 13 वर्षों से कोमा में पड़े युवक हरीश राणा को पैसिव इच्छामृत्यु की अनुमति दे दी है। अदालत ने निर्देश दिया कि मरीज के लाइफ सपोर्ट सिस्टम को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाए, ताकि उसकी गरिमा बनी रहे। गाजियाबाद निवासी 31 वर्षीय हरीश राणा पिछले 13 वर्षों से कोमा में हैं और वेंटिलेटर सहित लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर निर्भर हैं। उनके माता-पिता निर्मला राणा और अशोक राणा ने बेटे की स्थिति को देखते हुए अदालत से इच्छामृत्यु की अनुमति मांगी थी।

दो जजों की बेंच ने दिया आदेश

न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने फैसला सुनाते हुए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान को निर्देश दिया कि मेडिकल प्रक्रिया के तहत सावधानीपूर्वक लाइफ सपोर्ट हटाने की प्रक्रिया पूरी की जाए। हरीश राणा वर्ष 2013 में पंजाब विश्वविद्यालय से बीटेक की पढ़ाई कर रहे थे। उसी दौरान हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिरने के बाद उनके पूरे शरीर में लकवा मार गया और वे कोमा में चले गए। डॉक्टरों के अनुसार वे क्वाड्रिप्लेजिया से पीड़ित हैं और पूरी तरह वेंटिलेटर व फीडिंग ट्यूब पर निर्भर हैं। लंबे समय से बिस्तर पर रहने के कारण उनके शरीर पर गहरे बेडसोर भी हो गए हैं और स्वास्थ्य लगातार बिगड़ता गया। परिवार का कहना है कि बेटे के इलाज के लिए उन्होंने अपनी संपत्ति तक बेच दी, लेकिन अब आर्थिक और मानसिक रूप से स्थिति बेहद कठिन हो चुकी है।

फैसले में शेक्सपीयर का जिक्र

फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति पारदीवाला ने अमेरिकी धर्मगुरु हेनरी वार्ड बीचर के विचारों का उल्लेख किया और विलियम शेक्सपीयर के प्रसिद्ध नाटक हैमलेट की पंक्ति "To be or not to be" का हवाला देते हुए कहा कि कई बार अदालतों को जीवन और मृत्यु के अधिकार से जुड़े जटिल प्रश्नों पर विचार करना पड़ता है।

केंद्र से कानून बनाने को कहा

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पैसिव इच्छामृत्यु पर स्पष्ट कानून बनाने पर विचार करने की भी सलाह दी। फिलहाल भारत में यह प्रक्रिया अदालत के दिशानिर्देशों के आधार पर ही लागू होती है, जिसमें दो मेडिकल बोर्ड की राय आवश्यक होती है।

क्या होती है पैसिव इच्छामृत्यु

पैसिव इच्छामृत्यु में मरीज को जीवित रखने के लिए दी जा रही कृत्रिम चिकित्सा सहायता—जैसे वेंटिलेटर या फीडिंग ट्यूब—हटा ली जाती है, जिससे बीमारी के कारण प्राकृतिक रूप से मृत्यु हो जाती है। गौरतलब है कि अनुच्छेद 21 के तहत सर्वोच्च न्यायालय पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि सम्मान के साथ जीने के अधिकार में सम्मान के साथ मृत्यु का अधिकार भी शामिल है।

लैपटॉप-डेस्कटॉप इस साल 35% तक महंगे होंगेः मार्च में 10% बढ़ सकती है कीमतें, 12% बढ़ोतरी पहले ही हो चुकी; मेमोरी-GPU के दाम बढ़ने का असर

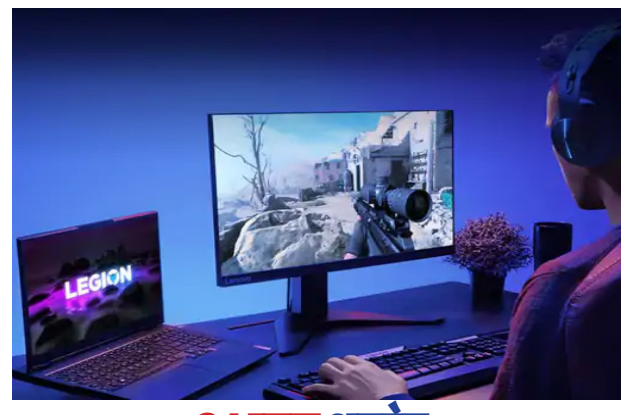

24 न्यूज अपडेट

देश में अगले कुछ महीनों में लैपटॉप और डेस्कटॉप खरीदना महंगा पड़ सकता है। प्रोसेसर और ग्राफिक्स कार्ड (GPU) जैसे प्रमुख कंपोनेंट्स के दाम बढ़ने से इस साल लैपटॉप-डेक्सटॉप की कीमतों में 35% तक के उछाल की संभावना है।

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि कीमतों में इस बढ़ोतरी की वजह से इस साल कंप्यूटर बाजार की ग्रोथ में 8% तक की कमी आ सकती है। मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी गई है।

मार्च में 10% बढ़ सकती है कीमतें, 12% पहले ही महंगे हो चुके

IDC इंडिया के सीनियर मार्केट एनालिस्ट भरत शेनॉय के मुताबिक, रैम (RAM) की कीमतें पहले ही 2.5 से 3 गुना तक बढ़ चुकी हैं। इससे लैपटॉप और डेस्कटॉप की कीमतों में अब तक 10-12% की बढ़ोतरी हो चुकी है। मार्च के महीने में ही 8-10% की एक और बढ़ोतरी होने की उम्मीद है, जबकि इसके अगले कुछ महीनों में कीमतें 10% और बढ़ सकती हैं।

शेनॉय ने बताया कि जो डिवाइसेस पहले 30,000 से 35,000 रुपए की रेंज में मिलते थे, उनकी कीमत अब 45,000 रुपए के करीब पहुंच रही हैं। इससे स्टूडेंट्स, होम यूजर्स और पहली बार कंप्यूटर खरीदने वालों के लिए अपग्रेड करना मुश्किल हो जाएगा।

जानकारों का कहना है कि यह तेजी अगले 6-7 तिमाहियों तक जारी रह सकती है और 2027 के दूसरे हाफ से पहले राहत मिलने की उम्मीद कम है।

जौहर मेले के समापन पर चित्तौड़गढ़ आएंगे योगी आदित्यनाथ, दुर्ग पर वीरांगनाओं को नमन कर करेंगे विशाल सभा को संबोधित

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ की शौर्य परंपरा और बलिदान की स्मृति में आयोजित होने वाले जौहर मेले के समापन समारोह में इस वर्ष विशेष आकर्षण रहेगा। योगी आदित्यनाथ 15 मार्च को चित्तौड़गढ़ पहुंचकर जौहर स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और शहर में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 15 मार्च को सुबह 9:25 बजे चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (अमौसी एयरपोर्ट) से रवाना होंगे और लगभग 10:50 बजे उदयपुर पहुंचेंगे। इसके बाद हेलीकॉप्टर के माध्यम से वे करीब 11:20 बजे चित्तौड़गढ़ पुलिस लाइन हेलीपैड पर उतरेंगे, जहां स्थानीय जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उनका स्वागत करेंगे। इसके बाद योगी सीधे ऐतिहासिक चित्तौड़गढ़ दुर्ग पहुंचेंगे, जहां विजय स्तंभ के निकट स्थित जौहर स्थल पर मेवाड़ की वीरांगनाओं और शूरवीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इस दौरान वे दुर्ग परिसर में स्थित कालिका माता मंदिर में पूजा-अर्चना भी करेंगे। ईनाणी सिटी सेंटर में जनसभा दुर्ग पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री दोपहर 12:45 बजे शहर के ईनाणी सिटी सेंटर पहुंचेंगे, जहां जौहर श्रद्धांजलि समारोह के मुख्य आयोजन में वे मुख्य अतिथि के रूप में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राजपूत समाज के प्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और आमजन शामिल होंगे। योगी आदित्यनाथ की यात्रा को लेकर प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। कार्यक्रम की तैयारियों की मॉनिटरिंग चंद्रभान सिंह आक्या द्वारा की जा रही है।

तीन दिन तक चलेंगे आयोजन

चित्तौड़गढ़ में 13 से 15 मार्च तक आयोजित होने वाले जौहर मेले में कई पारंपरिक, सांस्कृतिक और खेल प्रतियोगिताएं होंगी। 13 मार्च को इंदिरा गांधी स्टेडियम में महाराणा सांगा स्मृति ग्रामीण और जनजातीय खेलकूद प्रतियोगिताओं से मेले की शुरुआत होगी, जिसमें दौड़, गोला फेंक, भाला फेंक और तश्तरी फेंक जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसी दिन रात 8 बजे सुभाष चौक पर भव्य कवि सम्मेलन आयोजित होगा। 14 मार्च को घुड़चाल, घुड़सवारी और रस्साकस्सी जैसी पारंपरिक प्रतियोगिताएं होंगी, जबकि रात को जौहर भवन में विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम और जौहर ज्योति मंदिर पर मातृशक्ति द्वारा रात्रि जागरण किया जाएगा।

30 की जगह 19 मार्च को मनाया जाएगा राजस्थान दिवस

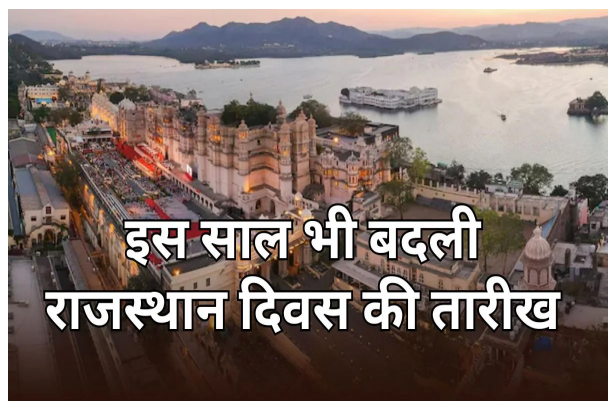

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। इस वर्ष राजस्थान दिवस का मुख्य समारोह 30 मार्च के बजाय 19 मार्च को मनाया जाएगा। हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन राज्य स्थापना दिवस मनाने का निर्णय लिया गया है। राज्य सरकार की ओर से आयोजित मुख्य कार्यक्रम जालोर में होगा, जहां लाभार्थी सम्मेलन आयोजित कर विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद किया जाएगा और खातों में राशि भी ट्रांसफर की जाएगी। राजस्थान दिवस की पूर्व संध्या पर प्रदेश के सरकारी मंदिरों में महाआरती का आयोजन होगा, जिसमें भजनलाल शर्मा सहित मंत्रीगण भाग लेंगे। राज्य स्तर पर कार्यक्रमों की शुरुआत 14 मार्च से सात दिवसीय स्वच्छता सप्ताह के साथ होगी, जबकि 15 मार्च को जयपुर में "विकसित राजस्थान रन" का आयोजन किया जाएगा। इसी दिन 'राजस्थान को जानें' डिजिटल क्विज और ओडीओपी मेला-प्रदर्शनी की भी शुरुआत होगी। साथ ही बीकानेर हाउस में पांच दिवसीय राजस्थान दिवस समारोह का भी आगाज किया जाएगा।

सोना आज 505 बढ़कर 1.60 लाख पर पहुंचाः इस साल कीमत में 27 हजार का इजाफा; चांदी 1,886 गिरकर 2.69 लाख/किलो हुई

24 न्यूज अपडेट

सोना में आज 11 मार्च को मामूली तेजी और चांदी गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 505 रुपए बढ़कर 1.61 लाख पहुंच गया। इससे पहले मंगलवार को इसकी कीमत 1.60 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

वहीं, एक किलो चांदी 1,886 रुपए घटकर 2.69 लाख पर पहुंच गई है। इससे पहले मंगलवार को इसकी कीमत 2.71 लाख रुपए प्रति किलो थी।

रसोई गैस आपूर्ति पर कड़ी निगरानी, हर जिले में बनी विशेष टास्क फोर्स

24 न्यूज अपडेट

जयपुर/उदयपुर। मध्य-पूर्व के देशों में चल रहे युद्ध और वैश्विक ऊर्जा बाजार में बन रही अनिश्चितता के बीच आम लोगों तक रसोई गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के शासन सचिव अंबरीष कुमार ने सभी जिलों के जिला रसद अधिकारियों को एलपीजी सिलेंडरों की सप्लाई की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए हैं। बुधवार को सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में प्रदेशभर के जिला रसद अधिकारियों को ऑनलाइन जोड़ा गया। बैठक में तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों को भी स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर गैस आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू रखें, ताकि आम उपभोक्ताओं को किसी तरह की परेशानी न हो।

हर जिले में बनेगी विशेष जांच टीम बैठक में यह भी तय किया गया कि प्रत्येक जिले में एलपीजी वितरण व्यवस्था पर निगरानी रखने के लिए विशेष प्रवर्तन दल (स्पेशल एन्फोर्समेंट टीम) गठित किया जाएगा। इसमें रसद विभाग के अधिकारियों के साथ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को भी शामिल किया जाएगा।

यह टीम घरेलू और व्यावसायिक दोनों प्रकार के गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पर नजर रखेगी और बाजार में जमाखोरी या कालाबाजारी की किसी भी शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करेगी।

प्राथमिक सेक्टर को पहले आपूर्ति

सचिव अंबरीष कुमार ने निर्देश दिए कि केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित प्राथमिक सेक्टरों—जैसे अस्पताल, शिक्षण संस्थान और अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़े संस्थानों—को गैस सिलेंडर की आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर जारी रखी जाए। इसके साथ ही आम उपभोक्ताओं को भी समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, ताकि बाजार में किसी तरह का पैनिक न फैले।

एजेंसियों की होगी रेंडम जांच

निर्देशों के अनुसार विशेष टीम हर सप्ताह कम से कम दो गैस एजेंसियों की रेंडम जांच करेगी। जांच के दौरान यह देखा जाएगा कि तेल कंपनियों से एजेंसी को प्रतिदिन कितने सिलेंडर प्राप्त हुए और उनका वितरण किन उपभोक्ताओं तक हुआ। साथ ही एजेंसियों के स्टॉक रजिस्टर और वितरण रिकॉर्ड का भी मिलान किया जाएगा। यदि किसी एजेंसी के रिकॉर्ड में गड़बड़ी पाई गई, जरूरत से ज्यादा स्टॉक मिला या आपूर्ति में अनियमितता सामने आई तो संबंधित एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सेंसेक्स 1342 अंक गिरकर 76,864 पर बंदः निफ्टी भी 395 पॉइंट टूटा; बैंकिंग और ऑटो शेयर्स में ज्यादा बिकवाली रही

24 न्यूज अपडेट

अमेरिका-इजराइल और ईरान के कारण शेयर बाजार में आज यानी 11 मार्च को गिरावट रही। सेंसेक्स 1342 अंक (1.72%) की गिरावट के साथ 76,864 के स्तर पर बंद हुआ।

वहीं निफ्टी में भी 395 अंक (1.63%) की गिरावट रही, ये 23,867 पर बंद हुआ। आज बैंकिंग, ऑटो और IT शेयर्स में ज्यादा गिरावट रही।

संपादकीय : कुप्रबंधन का पानी

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिस दौर में विज्ञान और तकनीक के मामले में नई ऊंचाइयां छूने का दावा किया जा रहा है, उसमें आज भी करोड़ों लोगों को पीने का साफ पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है। कि देश में जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण परिवारों को उपलब्ध कराए जा रहे पीने योग्य नल-जल की सुविधा के तिहत्तर फीसद दूषित नमूनों पर उपचारात्मक उपाय नहीं हो पाया। यानी देश में बड़ी तादाद में ऐसे लोग हैं, जिन्हें आज भी स्वच्छ पेयजल नहीं मिल पा रहा है। सवाल है कि विकास की यह कौन-सी दिशा है, जिसमें पीने के साफ पानी की अनुपलब्धता से जुड़ी समस्या की इस हद तक अनदेखी की जा रही है कि आज यह व्यापक संकट का एक बड़ा कारण बनता दिख रहा है। राज्यों की भागीदारी से वर्ष 2019 में जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल मुहैया कराने का कार्यक्रम शुरू किया गया। मगर देश भर में लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के प्रबंधन में जिस स्तर की कोताही बरती जा रही है, कहीं वह आने वाले समय में एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती की शक्ल में न सामने आए ! गौरतलब है कि वर्ष 2025-26 में जल जीवन मिशन के तहत उपलब्ध कराए जा रहे पेयजल की गुणवत्ता की जांच के लिए चौतीस राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों से आए पानी के नमूनों की जांच की गई। जांच के बाद दूषित पाए गए कुल नमूनों में से केवल 26.31 नमूनों पर ही उपचारात्मक उपाय किए जा सके। दरअसल, जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण परिवारों के घरों तक पहुंचाए जा रहे पानी की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए पेयजल के नमूने को संग्रह कर उनकी जांच की जाती है। जांच में अगर कहीं का पानी दूषित पाया जाता है, तो वहां जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाती है। अव्वल तो सवाल यह है कि पेयजल को स्वच्छ रखने के लिए क्या किया गया। फिर अगर कुल दूषित नमूनों में से तिहत्तर फीसद पर उपचारात्मक उपाय भी नहीं किए जा सके, तो क्या इसके लिए जिम्मेदारी तय की गई ? क्या ऐसी ही लापरवाही की वजह से शहरों महानगरों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक में लोगों के घरों तक पहुंचाए जाने वाले पेयजल दूषित होने की समस्या और ज्यादा नहीं बढ़ती जा रही है ? यह छिपा नहीं है कि आज देश के कई हिस्सों में लोग गंदा पानी पीने और उससे उपजी बीमारियों की चुनौती का सामना करने को मजबूर हैं। ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, जब देश भर में सबसे स्वच्छ माने जाने वाले शहर इंदौर में दूषित पेयजल के सेवन की वजह पंद्रह लोगों की मौत और कई लोगों के गंभीर रूप से बीमार पड़ने की खबर देश भर में चिंता का कारण बनी थी। मगर इंदौर कोई अकेला शहर नहीं है, जहां पेयजल खतरनाक स्तर तक दूषित हो गया। देश के अलग-अलग हिस्से से आए दिन गंदा पानी घरों तक पहुंचने या इसकी वजह से लोगों के बीमार पड़ने की खबरें आती रहती हैं। मगर शायद ही कभी पेयजल और सीवर के पाइप को सुरक्षित दूरी पर रखने की योजना पर ठोस तरीके से काम किया गया । पीने से लेकर खाना पकाने और नहाने जैसी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए जिस पानी का उपयोग किया जाता है, उसका अधिकांश हिस्सा भूजल से आता है। अक्सर भूजल में आर्सेनिक, अमोनिया या अन्य जोखिम वाले तत्त्वों के बढ़ते जाने की रपट आती हैं। मगर इससे इतर हर घर जल अभियान के तहत जिस स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति का दावा किया जाता है, अगर वह भी दूषित है, तो आखिर सरकार इस मोर्चे पर क्या कर रही है।

सुविधा बनाम जोखिम

क्रत्रिम मेधा पर आधारित चैटजीपीटी को एक सुविधा के तौर पर इसलिए देखा गया था, ताकि जानकारी जुटाने के मामले में लोगों को आसानी हो मुश्किल और जटिल सवालों का जवाब वह इंसानों की तरह दे। उसने ऐसा किया भी। मगर इस बात पर शायद गौर नहीं किया गया था कि इसे जिस स्वरूप में तैयार किया गया है, उसमें इसका बेजा इस्तेमाल भी आसानी से किया जा सकता है। हालत यह है कि इसके दुरुपयोग की वजह से अब मनुष्य की मेधा ही नहीं, उसका जीवन भी खतरे में आ रहा है। हत्या और आत्महत्या के मामले में 'चैटवाट' के बढ़ते दुरुपयोग को गंभीरता से लेने की जरूरत है। हाल ही में कनाडा के एक स्कूल में हुई गोलीबारी में चैटजीपीटी के दुरुपयोग की खबर सामने आई है। इस घटना में बुरी तरह जख्मी एक छात्रा के माता-पिता ने मुकदमे में आरोप लगाया कि 'चैटवाट' बनाने वाली ओपनएआइ को पहले से मालूम था कि चैटजीपीटी के जरिए हमलावर सामूहिक हत्या की योजना बना रहा था। इस मामले में ओपनएआइ का हैरान करने वाला जवाब है कि उसने हमलावर की गतिविधियों पर विचार किया था, पर पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी। इससे साबित होता है कि चैटजीपीटी का दुरुपयोग किस खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है। निराशा की बात है कि इस पर नियंत्रण के लिए कोई नियामक नहीं है। खास क्षमता से दक्ष चैटजीपीटी एक सलाहकार या सहयोगी की तरह काम करता है। यह व्यक्ति की मनोस्थिति के हिसाब से सवालों के जवाब देता है हत्या व खुदकुशी के मामलों में इसके दुरुपयोग के कई मामले सामने आ चुके हैं। विचित्र बात है कि 'चैटबाट' गलत कदम उठाने को सही ठहरा देता है और अपनी या दूसरों की जान लेने के तरीके बता देता है। मगर इस तरह की गतिविधियों की निगरानी नहीं होती हो, ऐसा संभव नहीं है। कनाडा में हुई गोलीबारी के मामले में ओपनएआइ को हमलावर की गतिविधियों के बारे में पता था। अगर ऐसा है, तो समय रहते इसे रोकने के उपाय क्यों नहीं किए जा सकते हैं? तकनीक के सदुपयोग के साथ दुरुपयोग को रोकने की जवाबदेही तय नहीं की गई, तो आने वाले दिनों में इससे उपजने वाली स्थिति का बस अंदाजा ही लगाया जा सकता है।

उदयपुर में गैस की कालाबाजारी तो कहीं मारामारी, पेट्रोल-डीजल में फिलहाल संकट नहीं

24 न्यूज अपडेट

राजस्थान में इन दिनों गैस सप्लाई को लेकर हलचल का माहौल है। कई शहरों में एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित होने से बाजार में बेचैनी बढ़ी है और कुछ जगहों पर कालाबाजारी के आरोप भी सामने आए हैं। राजस्थान के अलग-अलग जिलों में हालात अलग-अलग हैं। आज जयपुर में कॉमर्शियल सिलेंडर महंगे दामों पर बिकने की शिकायतें आई हैं, जमकर वसूली हो रही है। जबकि अलवर में गैस एजेंसी पर ग्राहकों ने बुकिंग बंद होने को लेकर हंगामा किया। कोटा में सप्लाई प्रभावित होने से कुछ हॉस्टल और मैस को अस्थायी रूप से खाना बनाना रोकना पड़ा। प्रशासन जमाखोरी रोकने के लिए निगरानी बढ़ा रहा है। सबसे ज्यादा असर फिलहाल उदयपुर में देखने को मिल रहा है। यहां 4 मार्च से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई लगभग ठप हो गई है। शहर में रोजाना करीब 1200 कॉमर्शियल सिलेंडर की खपत होती है और इनकी कमी का सीधा असर होटल, रेस्टोरेंट, हॉस्पिटल कैंटीन और हॉस्टलों पर पड़ा है। आज गैस की टंकी को वाहनों में भरने वाले कुछ प्रतिष्ठानों के बाहर जांच दल देखे गए। ऐसे में सरकारी स्तर पर चौकसी के समाचार मिल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सप्लाई रूट प्रभावित होने से गैस की आपूर्ति लेकसिटी में भी बाधित हुई है। कॉमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई सीमित कर दी गई है। आज कुछ लोगों ने फोन पर बुकिंग नंबर बंद होने की भी शिकायत की। इस बारे में जिला प्रशासन को तत्काल कदम उठाने चाहिए। इस बीच पेट्रोलियम कारोबार से जुड़े लोगों का कहना है कि घबराने की जरूरत नहीं है। उदयपुर पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के सचिव राज राजेश्वर जैन के मुताबिक देश में तेल या गैस की वास्तविक कमी नहीं है और पाइपलाइन नेटवर्क के जरिए सप्लाई जारी है। उन्होंने लोगों से अफवाहों से बचने और पैनिक न करने की अपील की है। उदयपुर में होटल-रेस्टोरेंट और कैटरिंग कारोबार की हालत दिन ब दिन खराब होती जा रही है। व्यापारियों ने बताया कि अगर स्थिति लंबी चली तो शहर की रसोई और कारोबार दोनों पर इसका असर गहरा हो सकता है। जन सरोकारों की खबरों पर हमारी लगातार नजर है। अगर आपको यह खबर पंसद आई हो तो लाइक व शेयर कीजिए ओर नीचे कमेंट बॉक्स में अपनी राय या सुझाव जरूर दीजिए। आपके पास भी गैस की कालाबाजारी से संबंधित कोई सुचना है तो हमें जरूर साझा कीजिए।

केसरिया जी में आस्था का सैलाबः भगवान ऋषभदेव जन्मोत्सव पर निकली रजत रथ शोभायात्रा, लाखों श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर से करीब 15 किलोमीटर दूर स्थित बड़ी झील पर बाहुबली हिल क्षेत्र में भीषण जंगल की आग में फंसे पर्यटक को कल रात को रेस्क्यू किया गया था। आज सुबह उसकी एमबी अस्पताल में मौत हो गईं मृतक की पहचान मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के रहने वाले माखन सिंह (33) के रूप में हुई है। बाहुबली हिल क्षेत्र का 3 हेक्टेयर घना जंगल अग से जलकर राख हो गया है। बताया गया कि माखन सिंह सोमवार रात अकेले ही पहाड़ी पर घूमने चला गया। जंगल में आग में फंस गया। माखन सिंह ने 100 नंबर पर कॉल कर मदद मांगी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंचीं। रेस्क्यू कर्मियों के अनुसार युवक धुएं के बीच झाड़ियों में बेहोशी की हालत में मिला। उसे तुरंत उदयपुर के एमबी अस्पताल लाया गया जहां मंगलवार सुबह करीब 7 बजे उसकी मौत हो गई। एमबी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आर. एल. सुमन ने बताया कि प्रारंभिक रूप से मौत का कारण आग के धुएं से दम घुटना माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। फायर ब्रिगेड अधिकारी बी. एल. चौधरी ने बताया कि आग बहुत तेजी से फैल गई थी, जिसके कारण पूरी पहाड़ी काले धुएं से ढक गई थी। दमकल की टीमों ने देर रात तक कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि एहतियात के तौर पर रातभर फायर ब्रिगेड की टीमें जंगल क्षेत्र के आसपास तैनात रहीं। माखन सिंह रतलाम जिले की जावरा तहसील के ऊपरवाड़ा गांव का रहने वाला था। हार्वेस्टर शोरूम में मैनेजर के पद पर कार्यरत था। घर से घूमने के लिए निकला था। उसके तीन बच्चे हैं। इस बीच आज गीतांजलि के पास की पहाड़ियां भी धधकती हुई दिखाई दी। नीमचमाता, ऋषभदेव, चित्रकूट नगर और बड़ी गांव स्थित पांडवा की पहाड़ी पर भी आग लग चुकी है।

गैस की टंकियों की कालाबाजारी को रोकने के लिए मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। वर्तमान में गैस वितरकों ने आम ग्राहकों को गैस टंकियों की कालाबाजारी करने का कार्य करने से काफी परेशान होना पड़ रहा है जिसको लेकर अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत संगठन ने जिला कलक्टर नमित मेहता के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कालाबाजारी करने वाले कर्मचारियों एवं एजेंसियों पर कार्यवाही करने, गैस वितरकों के स्टॉक रजिस्टर हमेशा अधिकारियों द्वारा जांच करने, पूर्व की तरह ऑनलाइन बुकिंग इंडियन एजेंसी ने जिसे बंद कर दिया है उसे पुनः शुरु करने की व्यवस्था करे ताकि उसमें ग्राहक को ओटीपी मिलने से टंकियों की कालाबाजारी पर रोक लगेगी। इस पर जिला कलक्टर मेहता ने गैस टंकियों के सुचारू वितरण व्यवस्था का आश्वासन प्रतिनिधिमंडल को दिया। प्रतिनिधिमंडल में ग्राहक पंचायत के प्रांत संगठन मंत्री राकेश पालीवाल, जिला अध्यक्ष शिव कुमार शर्मा, करण सिंह कटारिया, फतहलाल पारिक, संगीता जैन, जय प्रकाश भावसार,नरोत्तम गौड़ आदि शामिल थे।

महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव पर जैन युवा प्रतिभा सम्मान समारोह 30 मार्च को

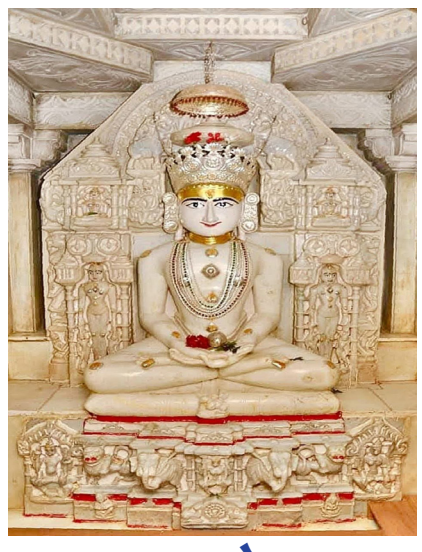

24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेड़ा। जैन जागृति सेंटर, निम्बाहेड़ा की साधारण सभा की बैठक संस्था अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक अशोक नवलखा की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक में 31 मार्च, मंगलवार को भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं संस्था की गतिविधियों व भावी कार्यक्रमों पर विचार विमर्श किया गया।

बैठक में महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव की पूर्व संध्या पर 30 मार्च, सोमवार को सायं 7.00 बजे स्थानीय श्री राजेंद्र सूरी ज्ञान मंदिर आदर्श कॉलोनी में निम्बाहेड़ा तहसील क्षेत्र के जैन परिवारों के प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए जैन युवा प्रतिभा सम्मान समारोह ,महिला चौबीसी गीत व वर्षी तप आराधकों के बहुमान का आयोजन करने का निर्णय लिया गया।

जैन जागृति सेंटर के सचिव प्रकाश चेलावत ने बताया कि इस वर्ष जैन युवा प्रतिभा सम्मान समारोह व कार्यक्रम के लाभार्थी समाजसेवी हरिसिंह, अतुल, आशीष, अर्हम बोड़ाना एवं परिवार रहेंगे। अतुल सेठिया ने बताया कि इस कार्यक्रम में जैन जागृति सेंटर द्वारा तहसील क्षेत्र में निवासरत जैन परिवारों की निर्देशिका जैन पुष्प के द्वितीय संस्करण का विमोचन भी किया जाएगा।

जे.के. सीमेंट ने मांगरोल मे मनाया गया महिला दिवस

24 न्यूज अपडेट

निंबाहेड़ा। जे.के.सीमेंट वर्क्स के यूनिट हेड मनीष तोषनीवाल व एच.आर हेड प्रभाकर मिश्रा के मार्गदर्शन में जे.के.सीमेंट वर्क्स द्वारा ग्राम मांगरोल में स्पर्श प्रोजेक्ट के अंतर्गत अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम सुरभि लेडीज क्लब की अध्यक्षा श्रीमती स्नेहा तोषनीवाल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान कम्पनी के आई. आर. हेड

भुवनेश सिंह सी.एस.आर हेड राहुल कुमार सिंह सुरभि सुरभि महिला क्लब की पदाधिकारी मंच पर उपस्थित थे। महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्रीमती स्नेहा तोषनीवाल ने उपस्थितमहिलाओं को महिला दिवस की शुभकानाएं देते हुए कहा कि आज भारतीय महिलाएं न केवल पुरुषों से आगे है बल्कि राष्ट्र के विकास से लेकर अपने घर के विकास तक में अपनी अहम भूमिका निभा रही है।इस अवसर पर उपस्थित 300 से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं ने कठपुतली शो, डांस, म्यूजिकल चेयर जैसीप्रतियोगिताओं में भाग लिया एवं समाज उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को पारितोषिक देकर सम्मानित किया

गया।कार्यक्रम में स्पर्श प्रोजेक्ट के तहत महिलाओं को मनोरंजक कार्यक्रमों के मध्यम से महावारी स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधित जानकारी से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के अंत में स्वच्छता और महिला सशक्तिकरण के आधार की शपथ भी दिलाई गई।कार्यक्रम का संचालन सी.एस.आर हेड राहुल कुमार सिंह व सृष्टि कुमावत (प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर) द्वाराकिया गया। इस अवसर पर सुरभि क्लब की सुनीता लड्ढा, लक्ष्मी सोनी, पूजा शर्मा, प्रियंका चक्रबर्ती , निर्मला शर्मा एवं बड़ी संख्या में महिला एवं बालिकाएं उपस्थित थी।

सर्व ओबीसी समाज ने समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि मनाई

24 न्यूज अपडेट

भारत की प्रथम शिक्षिका और सामाजिक सुधार कि अग्रणी सावित्रीबाई फुले की सर्व ओबीसी समाज महिला प्रदेश कार्यालय माली कोलनी उदयपुर में पुष्प व माला अर्पित कर पुण्यतिथि मनाई गई । पुण्यतिथि प्रदेश महिला अध्यक्षा मणीबेन पटेल के नेतृत्व में मनाई गई।

मिडिया प्रभारी नरेश पूर्बिया ने बताया कि 10 मार्च 1897 को सावित्रीबाई फुले को पुणे (पूरे महाराष्ट्र) में प्लेग की महामारी के दौरान लोगों की सेवा करते-करते एक बीमार बच्चों को अपनी पीठ पर लाद कर अपने क्लीनिक पे ले जाते समय उन्हें खुद प्लेग हो गया। पीड़ित लोगों की निस्वार्थ सेवा व मानवता के प्रति उनके अपार समर्पण और करुणामय नेतृत्व को हम आज के दिन हृदय से नमन व श्रद्धा सुमन अर्पण करते हैं। कार्यक्रम में महिला प्रदेश अध्यक्षा मणीबेन पटेल, प्रदेश महामंत्री शर्मिला माली ,. प्रदेश उपाध्यक्ष पूजा ट्रेलर ,प्रदेश उपाध्यक्ष मंजू सुथार ,अर्चना भाटी संगठन मंत्री,वर्षा जोधावत (कलाल), सिया माली ,.कोषाध्यक्ष गंगा देवी माली उपस्थित थीं।

महामहिम कटारियाजी की बात पर गंभीर नहीं उदयपुर पुलिस

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। लगता है उदयपुर पुलिस पंजाब के राज्यपाल महामहिम गुलाबचंदजी कटारिया की बातों को गंभीरता से नहीं लेती। सुना—अनसुना कर देती है जबकि अब तक जनता में ही इंप्रेशन था कि धाकड़ राजनीति कर चुके कटारियाजी की कही हर बात मेवाड़ में पत्थर की लकीर होती है। मौके पर पुलिस अफसर भी मौजूद थे और कटारियाजी ने बेलाग कह दिया था सिस्टम की गंदी मछलियों को पहचानो, बाहर निकालो। शूचिता लाओ। मगर कार्यक्रम खत्म होने के साथ ही बात को आया—गया कर दिया गया। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने अब तक यह जानने का प्रयास ही नहीं किया कि आखिर वो कौन लोग हैं जो उदयपुर को जमीनों के धंधे की वजह से अशांत कर रहे हैं। कौन हैं जो अतिरिक्त कमाई के लिए सरकारी सिस्टम की आड़ में खेल खेल रहे हैं। आपको बता दें कि फतहसागर पाल स्थित टाया पैलेस के सामने ऑटोमोबाइल कंपनी के कार्यक्रम में पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद राज्यपाल कटारिया ने बतौर मुख्य अतिथि कहा था कि पुलिस की कुछ कमियां हैं, तारीफ करने से ही काम नहीं चलेगा। उसमें से हमारे जो दागदार लोग हैं और विशेष करके जमीनों के धंधे में लगे हुए हैं। आज की पुलिस का रोल भी महत्वपूर्ण है। उसको नजरअंदाज नहीं कर सकते। एक तरह से मन को बहुत दुख होता हैं भगवान ने कमाने के लिए उनको इतनी सुविधा दी है और इस फालतू धंधे में पड़ कर बर्बाद करते हैं। यहां कुछ गैंगे हैं तो वो भू माफिया की गैंग है। बाकी कुछ नहीं है। इनको भी ठीक करना पड़ेगा।

पुलिस के पास कोई सूचना नहीं, ना जांच ना दस्तावेज

इस मामले में उदयपुर के पत्रकार जयवंत भैरविया ने उदयपुर के पुलिस प्रशासन से यह जानने के लिए कि आखिरकार वो कौन लोग हैं जो कटारियाजी के मन को दुखी कर रहे हैं। वो कौनसी गैंग हैं जो जमीन माफिया को सपोर्ट कर रही है। वो कौन से पुलिस वाले हैं जिनके पास कमाने के लिए इतनी सुविधा है और कौन है जो फालतू धंधे में पड़कर बर्बाद कर रहे हैं जिनको ठीक करने की जरूरत है। भैरविया ने इसके लिए आरटीआई के जरिये उदयपुर पुलिस से सचूना मांगी (1) दिनाँक 4 फरवरी 2026 को पंजाब के राज्यपाल महामहिम श्री गुलाब चंद जी कटारिया ने उदयपुर पुलिस के कुछ अधिकारियों पर गंभीर टिप्पणी करते हुए उनके गैर कानूनी कृत्यों, जमीनों से जुड़े गलत कामों एवं भु माफियाओं से जुड़े होने की बात कही थी, अतः उन पुलिस अधिकारियों के नामों की सूचना प्रदान की जाए जिनके संदर्भ में माननीय कटारिया जी ने टिप्पणी की थी (2) उदयपुर पुलिस के उन कार्मिकों के नामों की सूचना प्रदान की जाए जो ज़मीनो से जुड़े गलत कामों से जुड़े हुए है। नोट :- उदयपुर के अच्छे एवं ईमानदार पुलिस कर्मियों की छवि पर असर होने के कारण चाही गई सूचना की शीघ्र आवश्यकता है इसका जवाब चौंकाने वाला रहा। पुलिस की ओर से बताया गया कि यह सूचना किसी भी प्रारूप में संधारित नहीं होने के कारण उपलब्ध नहीं करा सकते हैं। इसका निष्कर्ष यह निकाला जा सकता है कि कटारियाजी के बयान को अब तक पुलिस ने गंभीरता से नहीं लिया है और ना ही रिकॉर्ड में लेकर इसकी कोई दस्तावेजी जांच ही शुरू की गई है। भविष्य में भी ऐसा होगा इसकी संभावना भी बहुत कम ही दिखाई दे रही है। ऐसे में भाई साहब के चाहने वालों और शहर में अपराध मुक्त पुलिस का सपना देखने वालों के लिए यह बड़ी मायूसी की बात हो सकती है। जानकारी कह रहे हैं कि जब पंजाब के राज्यपाल की बात नहीं मानी जा रही है तो फिर किसकी बात मानी जाएगी। उदयपुर पुलिस ने उनके बयान का खंडन भी नहीं किया है। क्या उदयपुर पुलिस के अफसरों की यह ड्यूटी नहीं बनती है कि वे राज्यपाल महोदय की टिप्पणी के हर शब्द को गंभीरता से लेकर अपने ही सिस्टम में छिपी हुई गंदी मछलियों को निकाल बाहर करें। पुलिस पर गंभीर आरोप, कौन करेगा जांच गौरतलब है कि उदयपुर में कानून व्यवस्था को लेकर कई बार गंभीर सवाल उठ चुके हैं फिर चाहे वो हिरासत में हो रही मौतों के मामले हों या फिर रात को तीन बजे बाद प्राइवेट लोगों को औजारों के साथ साथ लेकर जाने की बात हो। पार्टी के लोगों के चहरे से मिलते जुलते कथित डुप्लीकेट लोग गुल खिला रहे हैं। ऐसे में पुलिस पर लग रहे आरोपों की जांच होनी चाहिए। इसकी पहल खुदविभाग ही करे तो बेहतर होगा।

पुरानी रंजिश में नाबालिग की हत्या, धारदार हथियार से किया था हमला, रील बनाकर किया अप्लोड

24 न्यूज अपडेट

कोटा : शहर के उद्योग नगर थाना इलाके में मंगलवार देर रात पुरानी रंजिश के चलते युवक की हत्या का मामला सामने आया है. युवक बाइक से घर लौट रहा था. इस दौरान बदमाशों ने उसे रोका और मारपीट शुरू कर दी. उस पर धारदार हथियार, लोहे के सरिये व डंडे से भी हमला किया गया. इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. काफी देर मारपीट करने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए. युवक को स्थानीय लोग अस्पताल लेकर गए, लेकिन तब तक उसने दम तोड़ दिया. उसके शव को एमबीएस अस्पताल में शिफ्ट किया गया है.

रास्ता रोककर किया हमला : डीएसपी रुद्र प्रकाश शर्मा का कहना है कि मृतक की पहचान प्रेम नगर थर्ड जागा बस्ती निवासी 17 साल के नाबालिग के रूप में हुई है. यह घटना मंगलवार रात 11 बजे के आसपास की है. जानकारी में पता चला है कि युवक और हमलावरों का पहले से ही विवाद चल रहा है. उनके बीच पहले भी लड़ाई झगड़े हो चुके हैं. मंगलवार देर रात को नाबालिग बस्ती में वापस लौट रहा था, तब चौथ माता मंदिर के पास उसे कुछ बदमाश युवकों ने रोक लिया. पहले इन लोगों में सामान्य कहासुनी हुई, जिसके बाद उन्होंने बाइक को पूरी तरह से तोड़ दिया. नाबालिग पर भी लोहे के सरिये और डंडों से हमला किया गया था. इसके बाद आरोपी उसे लहूलुहान व गंभीर रूप से घायल छोड़कर मौके से फरार हो गए. आसपास के लोगों ने घायल को झालावाड़ रोड स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक कोटा शहर तेजस्विनी गौतम, थानाधिकारी जितेंद्र सिंह शेखावत सहित आला अधिकारी मौके पर पहुंचे. अधिकारियों ने पूरे घटनाक्रम का जायजा लिया है. इसके साथ ही एमओबी और डॉग स्क्वॉड को बुलाकर साक्ष्य भी एकत्रित किए हैं. शव को एमबीएस अस्पताल में मोर्चरी में शिफ्ट किया है. परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है. मामले में हमलावरों की पड़ताल की जा रही है. घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग मौका स्थल और अस्पताल पर एकत्रित हो गए.

परिजनों ने मोर्चरी पर दिया धरना : नाबालिग 12वीं कक्षा में पढ़ता था और फिलहाल उसके एग्जाम्स चल रहे थे. मृतक के पिता का कहना है कि शादी समारोह के बाद वह आ रहा था, जिसके बाद ही पुराने विवाद के चलते इन युवकों ने उसपर हमला किया है. इस मामले में सब इंस्पेक्टर मोहम्मद इब्राहिम का कहना है कि दोनों आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है. उनकी पड़ताल भी की जा रही है. दूसरी तरफ सेन समाज के जितेंद्र सेन का कहना है कि हम सब एकजुट होकर मृतक के लिए लड़ रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि उसकी हत्या केवल रील बनाने की ईर्ष्या को लेकर ही हुई है. वह रील बनाने को लेकर फेमस था और उसी से कुछ लड़के ईर्ष्या रखते थे.

मारने के बाद फरार बता रील की अपलोड : जितेंद्र सेन का कहना है कि इनका कुछ दिन पहले झगड़ा हुआ था, जिस संबंध में उद्योग नगर थाने में शिकायत दी थी. हत्यारों के हौसले काफी बुलंद हैं. उन्होंने मर्डर के बाद भी रील सोशल मीडिया पर अपलोड की है. इसमें नाबालिग का शव, रक्त से सने जूते व अन्य फोटो और रील अपलोड कर दी है. आरोपी अपने आप को फरार बता रहे हैं. सब इंस्पेक्टर मोहम्मद इब्राहिम का कहना है कि मृतक 17 साल का था, जबकि दोनों आरोपी राज बच्चा और विशाल मेरोठा बालिग हैं.

17 दिन, 7 राज्यों और 9000 किमी पीछा नागौर पुलिस ने मंदिर चोरी का किया खुलासा

मूण्डवा के वैंकटेश मंदिर से चोरी हुआ 20 किलो चांदी का सामान मध्यप्रदेश के कटनी से बरामद, पूर्व पुजारी समेत दो आरोपी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 11 मार्च। नागौर जिला पुलिस की सतर्कता और लगातार पीछा करने की रणनीति के चलते पुलिस थाना मूण्डवा ने वैंकटेश मंदिर में हुई नकबजनी की वारदात का सफल खुलासा करते हुए चोरी गया पूरा सामान बरामद कर लिया। पुलिस टीम ने करीब 17 दिन तक 7 राज्यों में 9000 किलोमीटर पीछा करने के बाद आरोपियों को मध्यप्रदेश के कटनी से दस्तयाब किया।

पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के निर्देशन में चोरी और नकबजनी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी तथा वृताधिकारी हरिराम जाखड़ और सतीश कुमार के सुपरविजन में थानाधिकारी सुरेश कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने इस प्रकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मंदिर के ताले तोड़कर 20 किलो चांदी का सामान चोरी एसपी कच्छावा ने बताया कि 17 फरवरी 2026 को वैंकटेश मंदिर के व्यवस्थापक जगदीश प्रसाद शर्मा ने पुलिस थाना मूण्डवा में रिपोर्ट दी कि 16 फरवरी की रात अज्ञात चोर मंदिर के मुख्य द्वार के ताले तोड़कर अंदर घुस गए और करीब 20 किलो चांदी के पूजा-सामग्री चोरी कर ले गए। चोरी गए सामान में चांदी के षटकोप, गिलास, कटोरी, चम्मच, पंच पात्र, आरती थाली, सिंहासन, तुलसी माला, सिक्कों का हार और अन्य धार्मिक सामग्री शामिल थी। घटना के बाद क्षेत्र के श्रद्धालुओं में काफी आक्रोश और चिंता का माहौल बन गया।

200 सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच से मिला सुराग घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी कच्छावा ने मौके का निरीक्षण कर साइबर सेल और थाना मूण्डवा की संयुक्त टीम गठित की। टीम ने सबसे पहले मूण्डवा कस्बे के लगभग 200 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच में दो संदिग्ध व्यक्ति एक पिकअप वाहन से लिफ्ट लेते हुए दिखाई दिए, जिसके आधार पर पुलिस टीम कड़ियां जोड़ते हुए अजमेर रेलवे स्टेशन तक पहुंची।

साथ ही मंदिर में पहले काम कर चुके पुजारियों और कर्मचारियों की जानकारी जुटाई गई। तकनीकी विश्लेषण में मंदिर के पूर्व पुजारी हर्ष कुमार द्विवेदी और उसके साथी पर शक गहराया।

मोबाइल घर पर छोड़कर भागे आरोपी जांच में सामने आया कि आरोपी बेहद शातिर थे। उन्होंने घटना के बाद अपने मोबाइल और सिम घर पर ही छोड़ दिए ताकि पुलिस लोकेशन के आधार पर उन्हें ट्रेस न कर सके। इसके बाद वे लगातार राज्य बदल-बदल कर घूमते रहे और किसी भी स्थान पर एक-दो दिन से ज्यादा नहीं रुके।

मुंबई, पुणे, उड़ीसा, छत्तीसगढ़ तक पीछा

पुलिस टीम आरोपियों का पीछा करते हुए मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा और छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों तक पहुंची। इस दौरान पुलिस ने 1500 से अधिक सीसीटीवी फुटेज, 50 बस स्टैंड, 13 रेलवे स्टेशन और 3 एयरपोर्ट पर अलग-अलग वेश में रहकर आरोपियों की तलाश की।

आखिरकार तकनीकी सूचना और मुखबिर तंत्र के आधार पर पुलिस टीम ने कटनी (मध्यप्रदेश) में आरोपी हर्ष कुमार द्विवेदी (37) और उसके साथी राहुल रजक 19) निवासी कटनी, मध्यप्रदेश को दस्तयाब कर लिया। मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ में आरोपियों ने चोरी किया सामान कटनी में छुपाना स्वीकार किया। पुलिस टीम ने वहां पहुंचकर मंदिर से चोरी गया पूरा सामान बरामद कर लिया।

ऐसे रची गई थी चोरी की साजिश

मुख्य आरोपी हर्ष कुमार द्विवेदी दिसंबर 2025 में करीब 15 दिन तक वैंकटेश मंदिर में पुजारी के रूप में काम कर चुका था। उसे मंदिर में रखी चांदी की सामग्री और प्रवेश के रास्तों की पूरी जानकारी थी। अपने दोस्त राहुल रजक के साथ मिलकर उसने चोरी की योजना बनाई। दोनों ट्रेन से मूण्डवा पहुंचे और रात में मंदिर की दीवार फांदकर अंदर घुस गए। ताले तोड़कर चांदी का सामान लेकर बाहर निकले और लिफ्ट लेकर हाईवे तक पहुंचे, जहां से बस और ट्रेन के जरिए कटनी भाग गए।

इस कार्रवाई में थाना मूण्डवा की टीम ने लगातार मेहनत करते हुए आरोपियों को पकड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम में एसएचओ मूण्डवा सुरेश कुमार, कांस्टेबल रामनिवास, भीखाराम, मनफूल और कांस्टेबल रामलाल शामिल थे।

श्रीगंगानगरः नशा तस्कर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, अवैध मकान पर चला बुलडोजर

24 न्यूज अपडेट

श्रीगंगानगरः जिले के सादुलशहर में प्रशासन ने नशा तस्कर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है. पुलिस और प्रशासन ने बुधवार सुबह जिले के कुख्यात तस्कर विक्की छजगरिया के अवैध मकान पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया. सरकारी जमीन पर बने इस पक्के मकान को पुलिस और नगरपालिका की मौजूदगी में अतिक्रमण से मुक्त कराया गया. करीब दो घंटे चली इस कार्रवाई में पक्का निर्माण पूरी तरह ध्वस्त कर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया. कार्रवाई के दौरान मौके पर पुलिस बल तैनात रहा ताकि किसी तरह की अव्यवस्था की स्थिति पैदा न हो. पुलिस और नगरपालिका की टीम की मौजूदगी में बुलडोजर की मदद से मकान को तोड़ा गया. सादुलशहर थाना प्रभारी मलकित सिंह मान ने बताया कि आरोपी विक्की छजगरिया के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत पहले से कई मामले दर्ज हैं. थानाधिकारी ने बताया कि आरोपी पिछले कई वर्षों से नशा तस्करी के कारोबार में सक्रिय रहा है और इसी अवैध कमाई से उसने सरकारी भूमि पर कब्जा कर मकान बना लिया था. प्रशासन के अनुसार आरोपी ने करीब 30×70 फीट क्षेत्रफल में पक्का मकान तैयार कर रखा था. बुधवार सुबह करीब 10 बजे मस्जिद के पास स्थित इस मकान पर कार्रवाई शुरू की गई, जिसे कुछ ही समय में पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया. थाना प्रभारी के मुताबिक आरोपी फिलहाल एक मामले में जमानत पर बाहर है, जबकि उसकी पत्नी पर भी नशा तस्करी में शामिल होने के आरोप हैं. नगरपालिका के अधिकारियों ने बताया कि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों और नशे के कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ भविष्य में भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी.

नारायणपुर थाना पुलिस ने निभाया भाई का फर्ज, सफाईकर्मी की बेटियों की शादी में 1.61 लाख रुपये का ऐतिहासिक मायरा

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 11 मार्च। कहते हैं कि रिश्ते सिर्फ खून के नहीं होते, बल्कि अपनापन और फर्ज के भी होते हैं। राजस्थान के नारायणपुर पुलिस थाने ने इस बात को सच कर दिखाया है। यहाँ पुलिसकर्मियों ने मिसाल पेश करते हुए एक सफाई कर्मी महिला की दो बेटियों की शादी में भाई बनकर मायरा (भात) भरा और समाज को मानवता का अनूठा संदेश दिया।

40 वर्षों का साथ, अब बना अटूट रिश्ता श्रीमती ललिता देवी पत्नी कैलाश चंद निवासी वाल्मीकि मोहल्ला नारायणपुर पिछले लगभग 40 वर्षों से नारायणपुर थाने में सफाई कर्मी के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं। पूरा थाना उन्हें अपने परिवार का हिस्सा मानता है। जब ललिता देवी की दो बेटियों अंजू और संजू की शादी 11 मार्च 2026 को तय हुई तो एक बड़ी चिंता सामने आई; ललिता देवी का कोई भाई नहीं था जो मायरे की रस्म निभा सके।

जैसे ही यह बात थाने के स्टाफ को पता चली, उपमहानिरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक कोटपूतली-बहरोड़ देवेन्द्र विश्नोई के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नाजिम अली खान के निर्देशन में वृत्ताधिकारी बानसूर मेधा गोयल और थानाधिकारी नारायणपुर रोहिताश मय समस्त जाब्ता ने खुद भाई की जिम्मेदारी उठाने का फैसला किया।

नगद राशि और उपहारों से सजा ऐतिहासिक मायरा मंगलवार 10 मार्च को नारायणपुर पुलिस थाने का समस्त स्टाफ गाजे-बाजे के साथ ललिता देवी के घर पहुँचा। पुलिसकर्मियों ने भाई का फर्ज निभाते हुए 1,61,000 नगद राशि, दो सिलाई मशीनें, दोनों बेटियों के लिए 5-5 जोड़ी कपड़े और सम्पूर्ण परिवार के लिए नए वस्त्र और अन्य आवश्यक सामग्री भेंट स्वरूप दिए।

भावुक हुई ललिता देवी, क्षेत्र में हो रही प्रशंसा जब पुलिस अधिकारी और जवान सिर पर साफा बांधकर मायरा लेकर पहुंचे, तो ललिता देवी की आंखें छलक आईं। उन्होंने कभी सोचा नहीं था कि उनके थाने वाले भाई इस तरह खुशियों में शरीक होंगे। स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस के इस मानवीय चेहरे की जमकर तारीफ की है।

बिना अनुसंधान कैसे अभियोजन?- CMHO डॉ. बामणिया ने उठाए कानूनी सवाल, बोले-जांच से पहले ही कार्रवाई की चर्चा न्यायसंगत नहीं

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शंकरलाल बामणिया से जुड़े प्रकरण में कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को लेकर नया मोड़ सामने आया है। राज्य सरकार द्वारा जांच की अनुमति दिए जाने की खबरों के बीच डॉ. बामणिया ने स्पष्ट किया है कि अभी तक उनके खिलाफ न तो कोई औपचारिक प्रकरण दर्ज हुआ है और न ही विधिवत अनुसंधान की प्रक्रिया पूरी हुई है। ऐसे में अभियोजन स्वीकृति की प्रक्रिया पर उन्होंने गंभीर कानूनी सवाल उठाए हैं। डॉ. बामणिया के अनुसार उनके स्थानांतरण को लेकर मामला पहले ही राजस्थान हाईकोर्ट में विचाराधीन रहा है और न्यायालय से उन्हें स्थगन आदेश प्राप्त है। इसी के बाद विभाग की ओर से मई 2025 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के वित्त निदेशक के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच टीम को उदयपुर स्थित CMHO कार्यालय भेजा गया था।

तीन सदस्यीय जांच और आंतरिक ऑडिट की सिफारिश

डॉ. बामणिया का कहना है कि इस जांच टीम ने दो भागों में रिपोर्ट तैयार की थी। पहले भाग में एनएचएम के अंतर्गत हुई खरीद और एमएमवी वाहनों के भुगतान से जुड़े मामलों की पड़ताल की गई, जबकि दूसरे भाग में उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों के तथ्यों का सत्यापन किया गया। जांच टीम ने अपनी रिपोर्ट में यह भी लिखा कि मामले में किसी ठोस निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले आंतरिक अंकेक्षण (इंटरनल ऑडिट) करवाया जाना उचित रहेगा। उनका दावा है कि विभाग को पहले आंतरिक ऑडिट कराना चाहिए था, लेकिन इसके बजाय जांच रिपोर्ट को आधार बनाकर भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी को पत्र भेज दिया गया।

बिंदुवार जवाब दे चुका हूं

डॉ. बामणिया ने कहा कि जांच रिपोर्ट के हर बिंदु का जवाब वे विभाग को दे चुके हैं और उनके अनुसार किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता या पद के दुरुपयोग का मामला नहीं बनता। उनका कहना है कि यदि कोई संदेह है तो विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत पहले विस्तृत जांच और ऑडिट होना चाहिए।

कानूनी प्रक्रिया पर प्रश्न

डॉ. बामणिया का कहना है कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा जांच शुरू करने से पहले सामान्यतः अनुसंधान और प्रकरण दर्ज होना आवश्यक होता है। उनके अनुसार अभी तक न तो कोई एफआईआर दर्ज हुई है और न ही विधिवत जांच हुई है, इसलिए अभियोजन स्वीकृति की चर्चा कानूनी रूप से सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो वे इस पूरे मामले में कानूनी विकल्पों का सहारा लेकर न्यायालय में अपना पक्ष रखेंगे।

विभाग में चर्चा, पर निर्णय बाकी

उधर चिकित्सा विभाग के सूत्रों का कहना है कि प्रशासनिक स्तर पर फाइल प्रक्रिया जारी है और आगे की कार्रवाई नियमानुसार तय होगी। फिलहाल डॉ. अशोक आदित्य के पास विभागीय प्रशासनिक अधिकार हैं, जबकि डॉ. बामणिया न्यायालय के आदेश के आधार पर पदस्थ हैं। कानूनी विशेषज्ञों का भी मानना है कि किसी भी लोक सेवक के खिलाफ कार्रवाई में प्रक्रियात्मक पारदर्शिता और जांच की निष्पक्षता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। ऐसे मामलों में अंतिम निर्णय विस्तृत जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही सामने आता है।

पर्यटन विभाग द्वारा 3 दिवसीय मेवाड़ महोत्सव का आयोजन 21 मार्च से, तैयारियों की समीक्षा बैठक में एडीएम ने सफल आयोजन हेतु दिए निर्देश

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 11 मार्च। पर्यटन विभाग द्वारा आगामी 21 मार्च से 23 मार्च तक आयोजित होने वाले मेवाड़ महोत्सव की तैयारी एवं आयोजन को लेकर बुधवार को कलेक्ट्रेट मिनी सभागार में जिला कलेक्टर नमित मेहता ने निर्देशन में एडीएम सिटी जितेंद्र ओझा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में एडीएम ओझा ने आयोजन से जुड़े विभिन्न विभागों, होटल्स एवं अन्य संस्थाओं को आपसी समन्वय के साथ आयोजन को सफल बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त महोत्सव को इस वर्ष भी सफल रूप से आयोजित करने हेतु आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। एडीएम ने आयोजन से जुड़ें स्थलों यथा जगदीश चौक एवं गणगौर घाट पर सफाई, पेयजल व्यवस्था, आकर्षक रोशनी, गोताखोर की व्यवस्था, फायर ब्रिगेड की व्यवस्था सुनिश्चित करने एवं दोनों दिन उदियापोल, सूरजपोल, देहली गेट, चेतक सर्किल, एवं सुखाड़िया सर्किल पर रोशनी व्यवस्था व फव्वारे चालू रखने, पुलिस विभाग को आयोजन स्थल पर महिला कांस्टेबल समेत आवश्यक जाब्ते की तैनाती, कानून व्यवस्था, पुलिस बैंड की व्यवस्था व ट्रैफिक व्यवस्था सुनिश्चित करने एवं एवीवीएनएल को संबंधित क्षेत्र में निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने, सार्वजनिक निर्माण विभाग को निःशुल्क बेरीकेटिंग उपलब्ध कराने व पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की ओर से बागोर की हवेली पर रोशनी व्यवस्था व विशिष्ट अतिथियों व विदेशी पर्यटकों के लिए बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करने समेत प्रतिवर्ष की भांति अन्य आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किये। साथ ही महोत्सव के तहत गोगुन्दा में आयोजित होने वाले मेले के संबंध में भी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश स्थानीय सरपंच और वीडिओ की दिए गए। बैठक में बैठक में नगर निगम उपायुक्त दिनेश मंडोवरा, ट्रैफिक डीएसपी अशोक आंजना, पर्यटन उपनिदेशक शिखा सक्सेना समेत आयोजन से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं विभिन्न होटल्स प्रतिनिधि मौजूद रहे।

गणगौर सवारी, आतिशबाजी, सांस्कृतिक संध्या होगी प्रमुख आकर्षण

उपनिदेशक पर्यटन शिखा सक्सेना ने बताया कि मेवाड़ महोत्सव के दौरान 21 मार्च को सायं 4 से 6 बजे तक शहर में विभिन्न समाजों की गणगौर सवारी गणगौर घाट पहुंचेंगी। 6 से 7 बजे तक बंशी घाट से गणगौर घाट तक शाही गणगौर की सवारी प्रमुख आकर्षण का केन्द्र होगी। वहीं शाम को सांस्कृतिक संध्या व आतिशबाजी का आयोजन होगा। 22 मार्च को सायं 7 बजे गणगौर घाट पर सांस्कृतिक संध्या व विदेशी युगल के लिए राजस्थानी पोशाक प्रतियोगिता का आयोजन होगा। वहीं 21 से 23 मार्च गोगुन्दा में ग्रामीण हाट बाजार के साथ सांस्कृतिक संध्या व आतिशबाजी का आयोजन होगा। महोत्सव के दौरान विशेष सजावट, आतिशबाजी, सांस्कृतिक संध्या, शाही गणगौर की सवारी, विदेशी युगल प्रतियोगिता, रोशनी व्यवस्था आदि आकर्षण होंगे।

खाड़ी तनाव के बीच गैस को लेकर प्रशासन अलर्ट: उदयपुर में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक, कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। खाड़ी देशों में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण देश के कई हिस्सों में एलपीजी आपूर्ति को लेकर बनी आशंकाओं के बीच उदयपुर जिला प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और उपभोक्ताओं को घबराने की जरूरत नहीं है। इसी संदर्भ में जिला कलक्टर नमित मेहता ने बुधवार को उदयपुर स्थित कलक्ट्रेट के मिनी सभागार में एलपीजी वितरकों और संबंधित अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में गैस वितरण व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा करते हुए उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आमजन को गैस आपूर्ति में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आनी चाहिए और जमाखोरी या कालाबाजारी की किसी भी शिकायत पर तुरंत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जिला रसद अधिकारी मनीष भटनागर ने जानकारी दी कि उदयपुर जिले में कुल 44 एलपीजी वितरक कार्यरत हैं। इनमें हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के 8, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के 18 और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के 18 वितरक शामिल हैं। जिले में कुल 7 लाख 54 हजार 405 घरेलू गैस कनेक्शनधारक हैं। इनमें प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 3 लाख 63 हजार 142 लाभार्थी तथा 3 लाख 9 हजार 957 सामान्य उपभोक्ता शामिल हैं। वर्तमान में जिले में प्रतिदिन करीब 10 हजार घरेलू गैस सिलेंडरों की रिफिलिंग की जा रही है और बुकिंग के बाद 48 से 72 घंटे के भीतर सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि घरेलू गैस कनेक्शनधारकों के साथ-साथ शिक्षण संस्थानों और चिकित्सा संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वहीं व्यावसायिक उपयोग के लिए जिले में प्रतिदिन लगभग 1000 गैस सिलेंडरों की आवश्यकता होती है। कलक्टर मेहता ने निर्देश दिए कि गैर-घरेलू सिलेंडरों का भी पर्याप्त भंडारण रखा जाए ताकि होटल, रेस्टोरेंट और अन्य संस्थानों की जरूरतें भी समय पर पूरी हो सकें। उन्होंने कहा कि गैस वितरण प्रणाली पूरी तरह पारदर्शी और व्यवस्थित रहनी चाहिए, जिससे आम उपभोक्ताओं को किसी भी तरह की परेशानी न हो। बैठक में जितेंद्र ओझा, अवुला सांईकृष्ण, अजय पटेल, श्लोक गुप्ता, दीपक आचार्य और धर्मेंद्र सहित विभिन्न गैस एजेंसियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

उदयपुर की पहली बेटी रुद्राक्षी सिंह ने सेना में जज एडवोकेट जनरल शाखा में कमीशन प्राप्त किया

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर की एक और बेटी ने लेकसिटी का नाम रोशन किया है। लेफ्टिनेंट रुद्राक्षी सिंह इंदा पुत्री स्व. तरुणसिंह ने 7 मार्च, 2026 को ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी, चेन्नई से जज एडवोकेट जनरल शाखा में कमीशन प्राप्त किया। उदयपुर में यह कमीशन प्राप्त करने वाली पहली बेटी है। बुधवार को उदयपुर आगमन पर रुद्राक्षी सिंह का भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया। रुद्राक्षी सिंह के बडे पापा शक्तिसिंह ने बताया कि यह उनके पूरे परिवार और होटल एसोसिएशन के लिए बड़े गर्व और सम्मान की बात है कि वह एक महिला अधिकारी के रूप में भारतीय सेना की टुकड़ियों का नेतृत्व करेंगी। वह उदयपुर से पहली जेएजी अधिकारी भी हैं। रुद्राक्षी सिंह ने यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लॉ, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से बीकॉम एलएलबी की पढ़ाई पूरी की और प्रथम श्रेणी में पास हुईं। नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली से इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स एंड मैनेजमेंट में एलएलएम किया। रिसर्च एसोसिएट और लेजल एडवाइजर और एक शिक्षक के रूप में काम करना शुरू किया। साथ ही केंद्र और राज्य सरकार की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की। इससे पहले इंडियन नेवी के लिए रेकमंडेशन मिली थी, लेकिन कुछ अंकों से सीट छूट गई। आखिरकार 7वें प्रयास में इंडियन आर्मी के लिए रेकमंडेशन मिली और 2025 में जेएजी मेरिट लिस्ट में ऑल इंडिया रैंक 4 हासिल की। ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी, चेन्नई में 11 महीने का प्रशिक्षण पूरा किया और 7 मार्च, 2026 को इंडियन आर्मी के जज एडवोकेट जनरल विभाग में लेफ्टिनेंट के रूप में कमीशन प्राप्त किया। उदयपुर आगमन पर रुद्राक्षी सिंह का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर होटल एसोसिएशन अध्यक्ष सुदर्शन देव सिंह कारोही, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, सचिव उषा शर्मा, सदस्य शक्ति सिंह, विकास पोरवाल, मनोहर सिंह चौहान, मनदीप सिंह चौहान, ओम पालीवाल, अजय सिंह कृष्णावत, दीपक जांगिड़ व महिपाल सिंह उपस्थित थे। उदयपुर आए पर्यटकों को रुद्राक्षी सिंह के बारे में जानकारी मिलने पर उन्होंने भी खुशी जताई और उसके साथ फोटो खिंचवाए।

'एक जिला–एक खेल' में तैराकी से उभर रहीं नई प्रतिभाएं: गोगुन्दा, सायरा व देवला ब्लॉकों में 130 से अधिक तैराकों ने दिखाई दमदार प्रतिभा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान सरकार के पंच गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत "एक जिला–एक खेल" पहल के तहत उदयपुर जिले में तैराकी को बढ़ावा देने के लिए ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिताओं का सिलसिला जारी है। खेल प्रतिभाओं की खोज और उन्हें आगे बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इन प्रतियोगिताओं में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के युवा तैराकों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में यह प्रतियोगिता नमित मेहता, राहुल जैन और जिला खेल अधिकारी डॉ. महेश पालीवाल के निर्देशन में आयोजित की जा रही है।

जिला खेल अधिकारी डॉ. पालीवाल ने बताया कि जिले के सभी ब्लॉकों में क्रमबद्ध तरीके से टैलेंट सर्च के रूप में तैराकी प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में बुधवार को गोगुन्दा, सायरा और देवला ब्लॉक की प्रतियोगिताएं जसवंतगढ़ स्थित राजतिकाल रिसॉर्ट तरणताल में आयोजित की गईं।

गोगुन्दा ब्लॉक में 62 प्रतिभागी

गोगुन्दा ब्लॉक की प्रतियोगिता दोपहर 12 बजे शुरू हुई, जिसमें 62 तैराकों ने भाग लिया। बालक वर्ग में रेशमलाल, ललित, भंवरलाल, रोशन सिंह, राकेश वेद और हर्षदेव प्रथम स्थान पर रहे, जबकि अनिल कहार, हरविन, सुरेश और मौलिक ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में पूनम कहार, काजल सुथार और जाह्नवी कुमारी ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि हैप्पी गर्ग, गीता कुमारी और निशा कुमारी भील दूसरे स्थान पर रहीं।

सायरा ब्लॉक के 38 तैराकों की भागीदारी

सायरा ब्लॉक की प्रतियोगिता दोपहर 1 बजे शुरू हुई, जिसमें 38 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। बालक वर्ग में विष्णु घरासिया, विमल कुमार, राकेश कुमार, दिलीप सुथार और कैलाश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि प्रवीण, सज्जन सिंह, मयूर वेद, चेतन और राकेश द्वितीय स्थान पर रहे।

देवला ब्लॉक में भी दिखा जोश

देवला ब्लॉक की प्रतियोगिता दोपहर 2 बजे आयोजित की गई, जिसमें 36 तैराकों ने हिस्सा लिया। बालक वर्ग में परशुराम, रोशनलाल और पुष्कर प्रथम रहे, जबकि तेजाराम, प्रवीण कुमार और शैलेन्द्र वेद द्वितीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में गुडिया कुमारी और कंची कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रेरणा नोसालिया, आरआई प्रकाश मेनारिया सहित क्षेत्र के शारीरिक शिक्षकों की उपस्थिति रही। विजेताओं को अतिथियों द्वारा मेडल और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। खेल विभाग के अनुसार 12 मार्च को वल्लभनगर, मावली, कुराबड़ और भिंडर ब्लॉकों की प्रतियोगिताएं भटेवर स्थित होटल कृष्णराज में आयोजित होंगी। वहीं उदयपुर शहर और बड़गांव क्षेत्र की प्रतियोगिताएं महाराणा प्रताप खेलगांव में होंगी। इन प्रतियोगिताओं से चयनित तैराकों को 13 से 28 मार्च तक 15 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर में विशेष कोचिंग दी जाएगी, ताकि वे जिला और राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

श्री बिलोचिस्तान पंचायत श्री सनातन धर्म सेवा समिति की चेटीचंद व रामनवमी हेतु तैयारी बैठक

24 न्यूज अपडेट

श्री बिलोचिस्तान पंचायत की कार्यकारिणी एवं श्री सनातन धर्म सेवा समिति के समस्त सदस्यों की एक आवश्यक बैठक श्री सनातन धर्म मंदिर में आयोजित हुई जिसमें आने वाले कार्यक्रम भगवान श्री झूलेलाल जी के मंदिर के ऊपर नूतन ध्वज चढ़ाना हेतु तैयारी हेतु चर्चा की गही जो की 13 मार्च शुक्रवार को श्री सनातन मंदिर में भगवान श्री झूलेलाल के मंदिर में नया ध्वज चढ़ाया जाएगा जिस हेतु तैयारी बैठक की गई पंचायत अध्यक्ष नानक राम जी कस्तूरी ने बताया कि उसे दिन सुबह 6:00 से 8:00 बजे तक 9 नव दंपतियों द्वारा भगवान श्री झूलेलाल की आरती एवं उनका दूध अभिषेक करगे एवं शाम को 5:30 बजे नूतन ध्वज चढ़कर भगवान श्री झूलेलाल की आरती की जाएगी वह प्रसाद वितरण किया जाएगा इसी क्रम में चेटीचंड की तैयारी हेतु उपाध्यक्ष श्री जितेंद्र तालरेजा वह गुरुमुख कस्तूरी ने बताया कि चेटीचंड के दिन सुबह 6:00 बजे फिर भगवान श्री झूलेलाल का पंच अमृत द्वारा स्नान कराया जाएगा उसके पश्चात 11:00 श्री बहराना साहब की ज्योत पूरे शहर में सभी को दर्शन देने हेतु जलूस के रूप मै निकलेगी यह बहाराणा साहब की ज्योत श्री सनातन धर्म मंदिर के भगवान श्री झूलेलाल जी की अमरजोत से प्रारंब होती है इसी ज्योत का शहर भर मै दर्शन होने के पश्चात व स्वागत करके महा आरती करके जुलूस यहां से रवाना किया जाएगा वह शाम को इसी बहराना का विसर्जन किया जाता है पंचायत के महासचिव विजय आहुजा ने बताया कि उसी दिन शाम को एक झांकी अपना संगठन द्वारा श्री भगवान झूलेलाल की बनाई जाती है जिसको लगभग 8 बार लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल किया व सम्मानित किया जा चूका है यह झांकी प्रतिवर्ष आकर्षण का केंद्र रहती है जिसमें कई बार इसमें 26000 दिए 26000 उंटी, 51000झंडे,इस तरीके की झांकी बनाई जाती है सनातन धर्म सेवा समिति के सयोजक श्रीमान हेमंत गखरेजा व सचिव नरेन्द खथूरिया ने बताया गया कि इस बार रामनवमी 26 मार्च को बड़े धूमधाम से से सनातन धर्म मंदिर में मनाई जाएगी जिसमें करीब 26 जोड़े नो कुंडी हवन में बैठेंगे वह पूरे विधि विधान सेपाठ के पश्चात वह महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा L सेवा समिति के सदस्य मनीष जी डेमला ने बताया कि इस बार चेटीचंड के उपलक्ष में से सनातन मंदिर में एक पेंटिंग कंपटीशन का आयोजन भी किया जा रहा है जो श्री भगवान झूलेलाल व भगवान श्री राम जी पर आधारित रहेगी इसमें भाग लेने वाले सभी प्रतियोगिताओं को इनाम दिया जाएगा प्रथम द्वितीय या अन्य श्रेणी में प्रतियोगिता का पुरस्कार का आयोजन ALSO जाएगाL बैठक की अध्यक्षता ओम प्रकाश बजाज ओम प्रकाश जी पुरानी द्वारा की गई बैठक में प्रदीप मोदवानी, मोहन तलरेजा, दीपक बिलोची रमेश काटीजा, बलदेव तलदार, धीरज तुलसीजा, मुकेश गखरेजा, विजय कस्तूरी, कमल तलरेजा, गिरीश डोडेजा सहित बहुत सदस्य उपस्थित है

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।